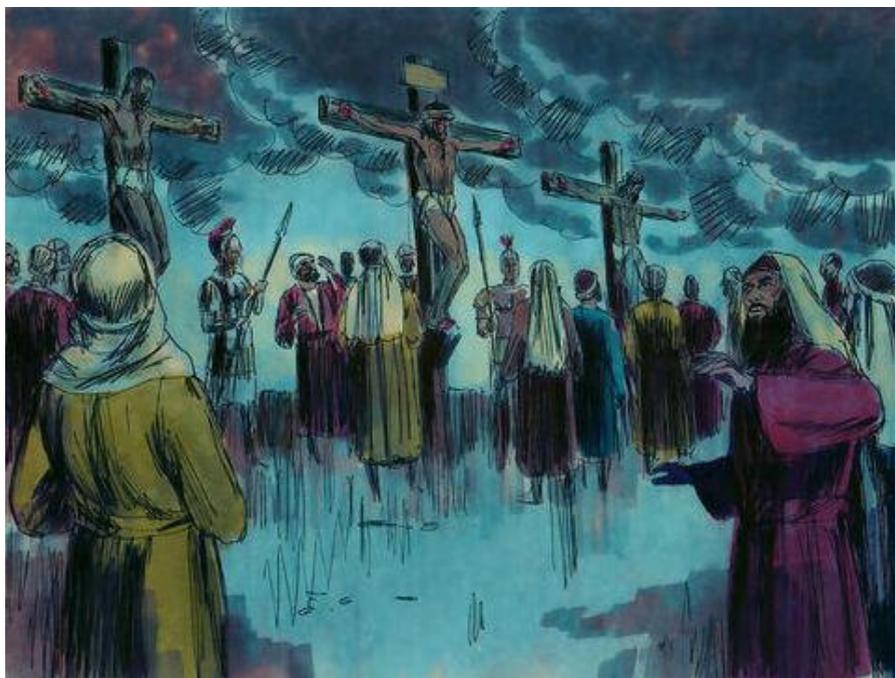


ईसु न क्रूस परँ चडायो।

CRUCIFIXION OF JESUS



ईसु न क्रूस परँ चडायो।

CRUCIFIXION OF JESUS

Images by © 2021 Sweet publishing.

Prepared By CBL Team.

Merwari

Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

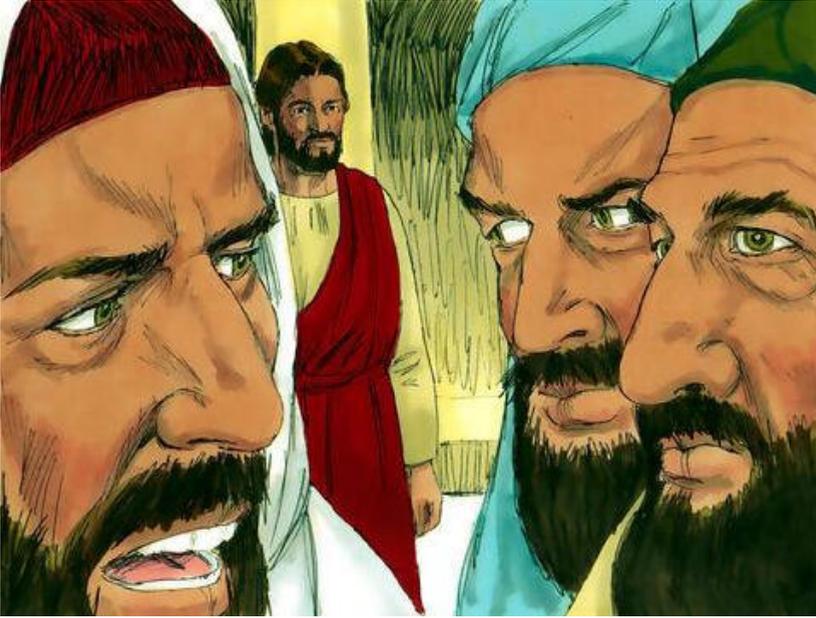
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-10)

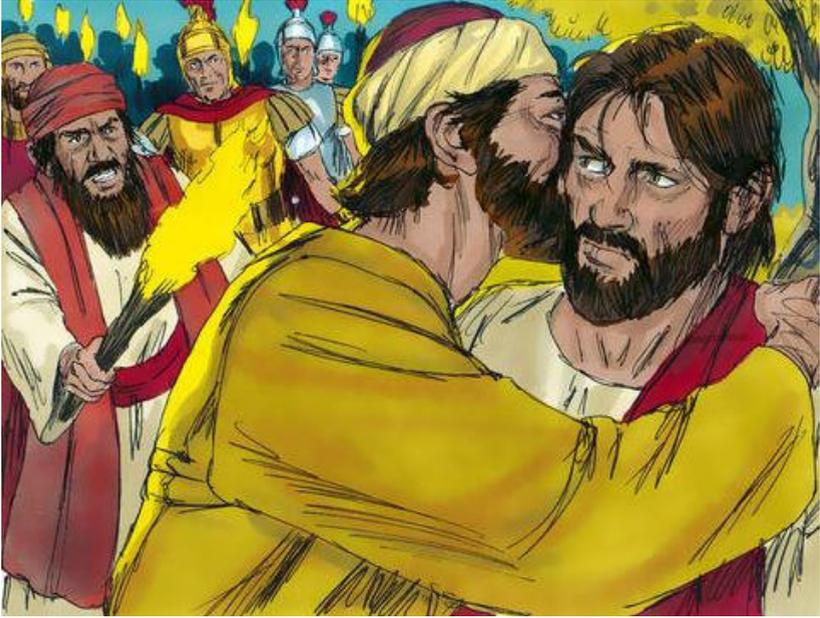
प्रकाशन:-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001, राजस्थान

दो बात

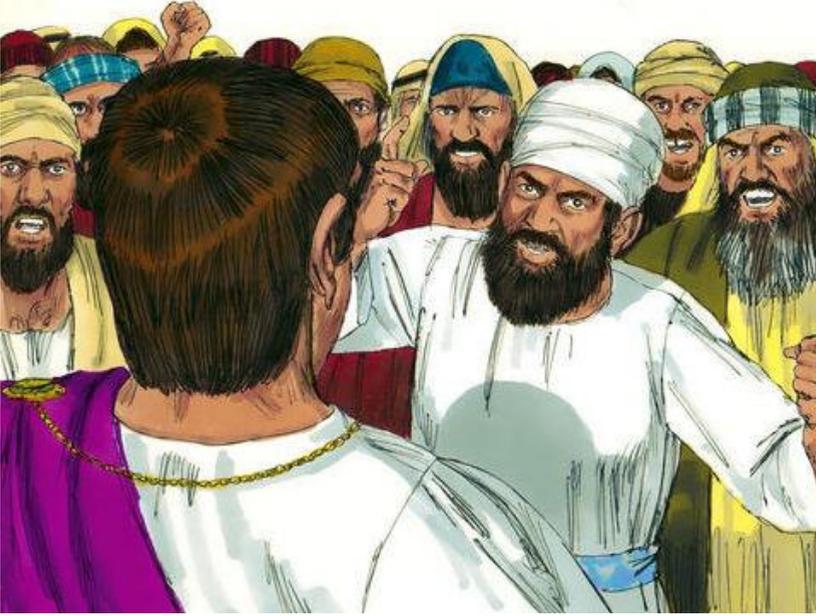
प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें प्रभु यीशु के क्रूसीकरण के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ने लिखने में सक्षम बन सकें।



ईसू परमेसर कि बातें बतावो हो ऐर
कासारी बातें मनकें न हकावो
हो।बो मनकें न, तियार कर घेवो हो
ऐर नराई मनक
बिकि बातें न हुणा हा।
जिऊं याजक ऐर शास्त्रि ईसू ऊं
इसको करा हा।



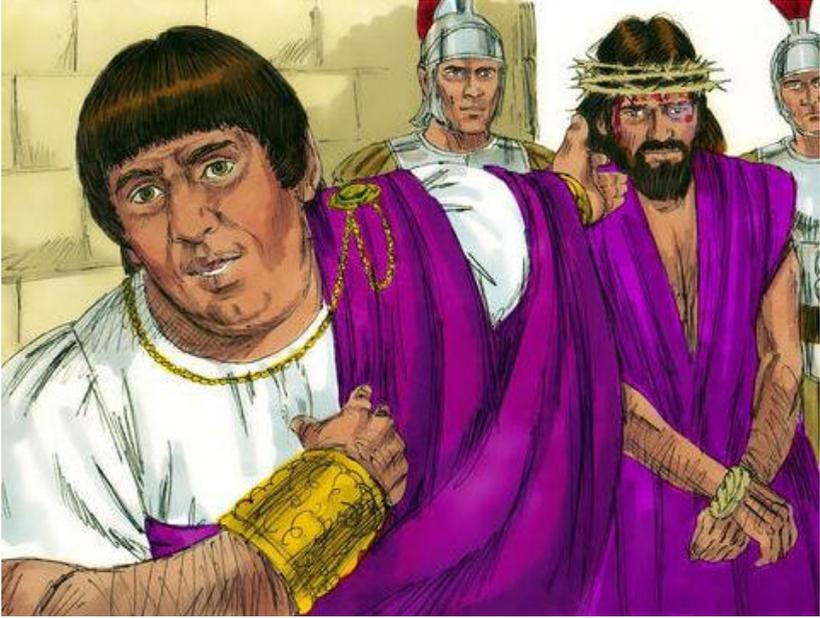
याजक ऐर शास्त्रि ईसू परँ नरि बातँ
मँ लाछण लगावा हा।
ईसू का बाँरा चेलँ म यहूदा नाऊँ
को एक चेलो हो।
बो पेशँ कि भुक म ईसू न सपायँ
का हातँ म दे दियो।



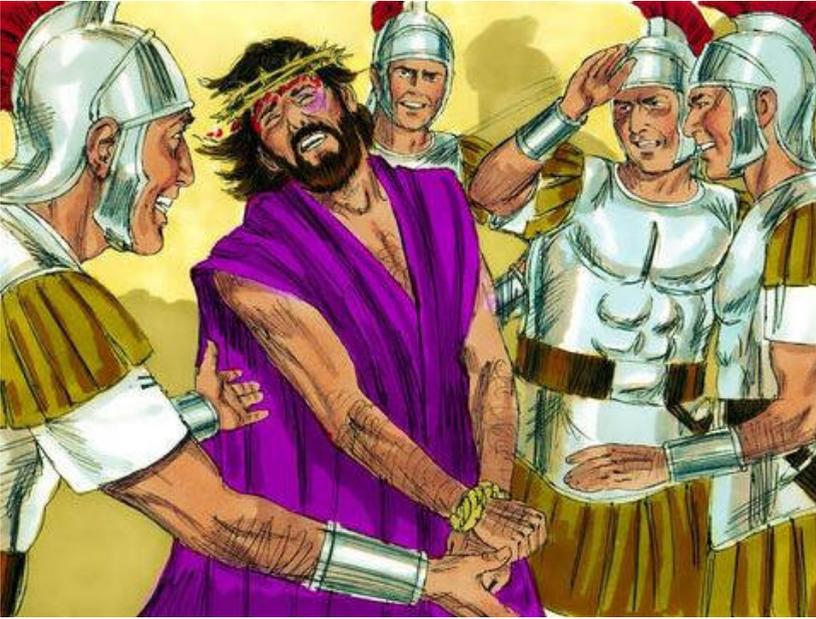
बे ईसू न पिलातुस हाकिम कन
लेज्या।

ऐर बटे बे ईसू परँ नरो लाछण
लगायो।

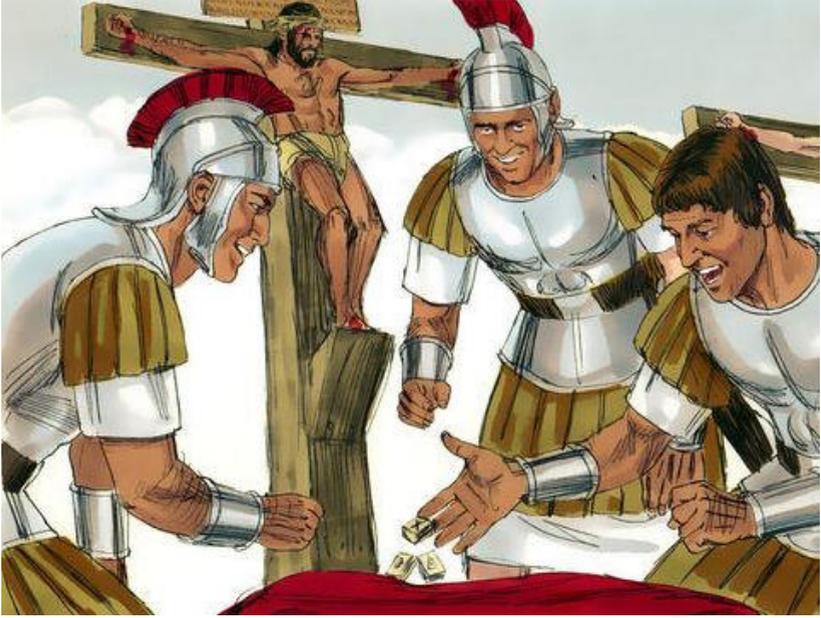
पिलातुस याजक ऐर शास्त्रियँ न
कियो मन इम कोई गलित कोन
दिक रिये हे।



पिलातुस ईसू के चामटयँ कि घेर
बिन छोडबो चावो हो।
पण बे मनक जोरको हाको करर
कियो इन करुस परँ चड़ावो।
तो पिलातुस ईसू न ब्यांकि अच्छया
परँ छोड दियो।

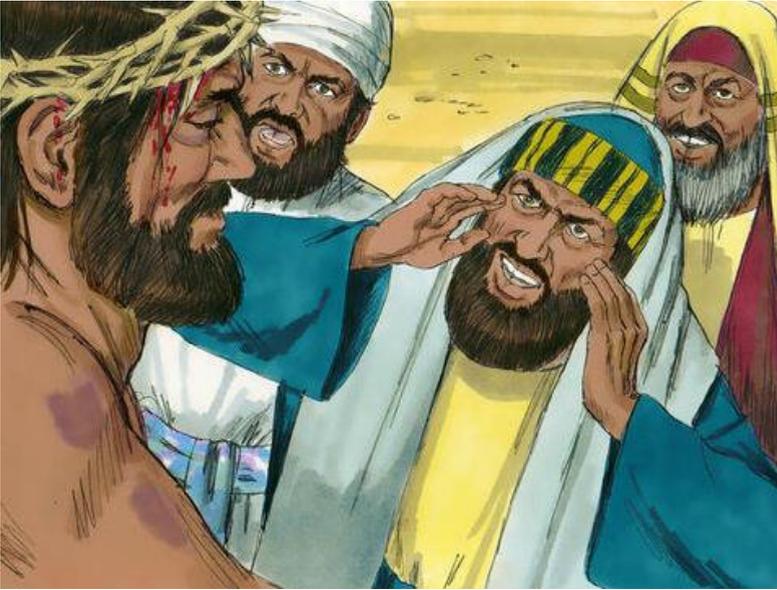


फेर सपाई ईसू के चामटयँ कि
दिदि ऐर बिन
बैंगणि गाबो पेरायो ।फेर बिका माता
परँ काँटँ को एक मुकुट गूथर
पेरायो ।ऐर बिके जाँपटँ कि दिदि ऐर
बिका मुंडा प थुकर बिको मजाक
उडायो ।



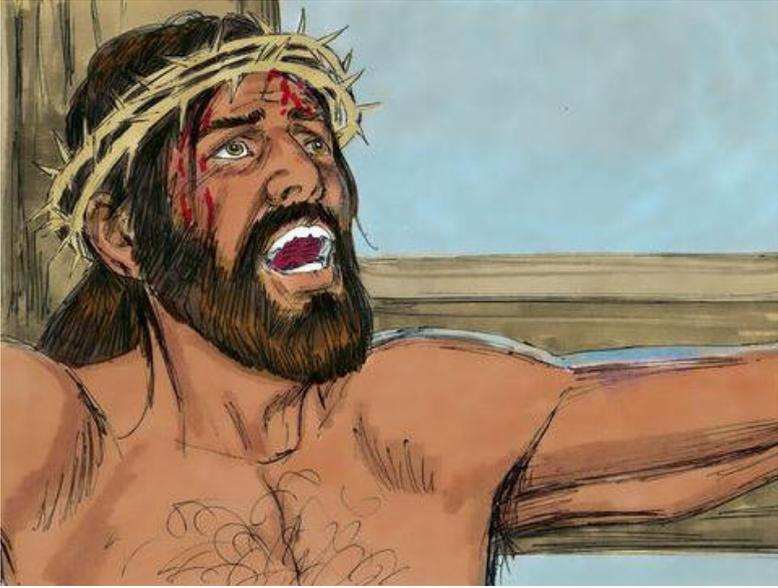
इके पचँ बे बिनअ गुलगुता नाऊँ
कि ठोड़ करुस परँ चड़ाबाकेति
लेज्या ।

बटे बे ईसू न करुस परँ चडायो ऐर
बिका गाबँ परँ कागद कि गोटचँ
नाकि।ऐर फेर बे बिका गाबँ न
सबम बरोबर कर दिया ।



बे बिंकि हँसि उडातोडा किया तु
मसिह है तो खुदन बचार दका।
ऐर करुस परँ एक कागद लगवा
दियो जिपर लिचोड़ो हो “ओ
यहुदियँ को राजो हे।”

बि बगत दन कि बारा बज्यऊँ ल्येर
तिन बज्यँ ति हगळा देस म अंदारो
हियोड़ो रियो।



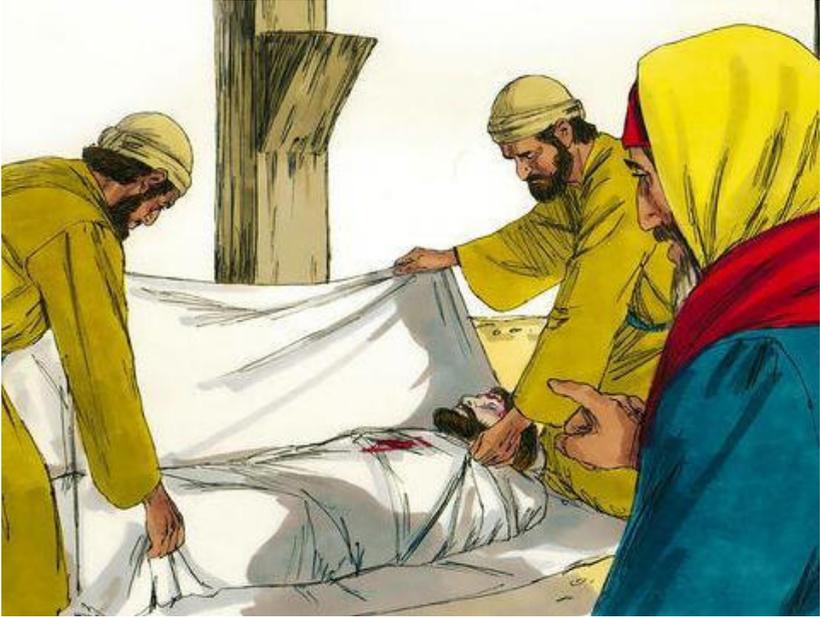
जदँ तिन बज्यँ के अड़के कड़के
ईसू जोरुँ हेलो पाड़र कियो“ओ
मारा बापू तु मन च्युँ छोड दियो।”
थोडिकणिक बार पचँ ईसु फेर
हाँचो हेलो पाड़र कियो,
“ओ बापू मूँ मारा भूरा न थारा हातँ
म घेऊँ हूँ”एर खुदका भूरा न छोड
दियो।



ऐर परमेसर का मन्दर को पर्दो
ऊपरऊँ नच्च ति दो हस्सा म फाट
ज्यो।

ऐर धरति हालगि, चाटचँ फाटगि ऐर
बडो भुकम्प हियो।

जो सपाई बिन देक रिया हा बे
कियो, हाज्येई ओ परमेसर को पूत
हो।



जद अंदारो पड़ रियो हो जदँ एक
पेशँळो मनक युसुप हो
जो ईसू को चेलो हो।
बो पिलातुस कन जार ईसू की लास
माँज्यो।
ऐर बिकी लास न चादरा म लपेटर
नुई कबर म रक दियो।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़

लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक

विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥